‘वर्ल्ड एक्सपो’ स्वरूप की कायापलट... है दुबई सिटी

दुबई एक्सपो 2020 की ऐतिहासिक सफलता के बाद इस प्रदर्शनी स्थल पर एक बदले स्वरुप में **एक्सपो सिटी** का नामकरण किया गया है। नया जामा पहने हुए यह एक ऐसे शहर की तस्वीर उजागर कर रहा है...जो न केवल छोटे और मध्यम उद्यमों, बल्कि स्टार्टअप कम्पनियों को भी नये व्यवसायों शुरू करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के अवसर उपलब्ध कराये जाएंगे। इन कम्पनियों को फ्रीजोंन नियमों के तहत पूर्ण सहयोग मिलेगा, जो यूएई की समृद्धि और विकास में सहायक होगी। एक बार फिर उसी जोश और उत्साह के साथ दुनियाभर से आने वाले व्यापारियों और पर्यटकों के स्वागत के लिए कमर कस कर तैयार है।

‘दुबई शहर’ पुनः दुल्हन की तरह सजा हुआ है। उसी जोशीले अन्दाज़ में ‘एक्सपो सिटी’ को पर्यावरणीय अनुकूल शहर की थीम पर निर्मित किया गया है। एक्सपो के परिवर्तनकारी बदलाव स्वरूप में इस एक्सपो सिटी को भविष्य की टेक्नोलॉजी का महत्व देते हुए व्यापार-व्यवसाय और विकास के लिए एक संभावित मंच के रूप में देखा जाना चाहिए। इस नवनिर्मित दुबई शहर का अनावरण अक्तूबर 2022 को किया जा चुका है। दुबई सिटी को **2040** तक शहरी विकास के मास्टर प्लान के तहत विकसित करने की योजना है।

इसमें तो कोई शक नहीं कि, मेज़बान देश यूएई और उनका हर इवेंट में मेजबानी करने का अन्दाज बेहद व्यवस्थित और विशाल रहता है। यह देश की अद्भुत शक्ति और क्षमता का साक्षात उदाहरण है। ‘दुबई एक्सपों 2019 की अभूतपूर्व सफलता के बाद आयोजकों के हौसले बुलंद है यहां यह कहना उचित होगा कि जहां कुछ करने का जज्बा हो, वहां ईमानदारी और सच्ची भावना से इच्छा शक्ति को क्रियान्वित किया जा सकता है। कोविड के दौरान किसी भी देश के लिए

कार्यक्रमों का आयोजन करना कतई आसान नहीं था। उस दौरान आयोजकों के समक्ष चुनौतियां भरपूर थी। उन दुर्गम रास्तों को पाटते हुए उन्होंने बड़ी सफलतापूर्वक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ी।(दुबई एक्सपों2020) भले ही समाप्त हो चुका है, किन्तु आज भी अन्तराष्ट्रीय पटल पर एक्सपो आयोजन की वाह-वाहवाही का डंका बज रहा है। उसकी गूंज का अहसास एक्सपो के प्रांगण में खड़े रह कर किया जा सकता है। 'दुबई एक्सपो' की उपलब्धियों को स्मरण करने से उन अनुभवों को ताजा करना तर्कसंगत होगा। उस अहसास की हकीकत को प्रमाणित करते हुए कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों पर प्रकाश डालते हुए (प्लैशबैक) में ले जाने का यह प्रयास किया है।

पांच महीनों चलने वाला एक्सपो2019 खाड़ी क्षेत्र में सबसे बड़ा मेला था। कोविड़ चलते डगमगाती अर्थव्यवस्थाओं से लड़ते दुनिया भर के लोगों के लिए ज्ञान, विज्ञान व व्यापार का मंच उपलब्ध कराया गया। दुनिया के करीबन **192 देशों** ने अपनी ताक़त, तकनीकी और कला-संस्कृति से दुनिया को रूबरू कराया। दुबई एक्सपो के आयोजन का मुख्य उद्देश्य सिर्फ सभी देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को एक ही मंच पर लाना था। इसी मंच पर इन देशों ने संयुक्त रूप से व्यापारिक, आपसी सहयोग का खाका तैयार करने का अवसर भी मिला। यही नहीं सभी देशों को अपनी सांस्कृतिक विरासत का आदान-प्रदान और मेल मिलाप कराने में भी अभूतपूर्व सफलता हासिल हुई।

भारत को सबसे बड़ा पैवेलियन का स्थान प्राप्त रहा। अन्य देशों के पैवेलियनों में भी उनकी संस्कृति और परम्पराओं की अद्भुत तस्वीरें देखने को मिली। ऐसा प्रतीत होता था... मानो एक रंगीली छतरी में अनेक देशों की संस्कृतियां सिमटी हुई हैं। व्यापार में निवेशकों के लिए एक महा-बाजार के रूप में, 'दुबई एक्सपो' दुनिया भर के करोड़ों लोगों व पर्यटकों का आकर्षण का केंद्र भी बना रहा।

आज के संदर्भ में देखे तो विश्व में एक्सपो ने लम्बा सफर तय कर लिया हैं। दिलचस्प है उसका इतिहास पर... नजर डालें तो इसके पथ की शुरुआत 1791 में चेक गणराज्य 'बोहेमिया' में वर्ल्ड फेयर के नाम से आयोजित हुआ था , लेकिन आधिकारिक तौर पर पहला वर्ल्ड एक्सपो 1851 में लंदन के क्रिस्टल पैलेस में आयोजित हुआ। इसके बाद से दुनिया के अलग-अलग देशों के शहरों में वर्ल्ड एक्सपो में औद्योगीकरण दिखाने के लिए सिलसिला चलता रहा। इस सफर का दायरा बढ़ता गया और 1939 से लेकर 2019 तक वर्ल्ड एक्सपो में देशों ने अपनी 'सांस्कृतिक विरासत' को भी शामिल कर प्रदर्शनी का आयोजन करने लगे।

व्यापार के साथ देशों की संस्कृति थीम की परम्परा को भी निभाते रहे। **एक्सपो** के इतिहास में दुबई ने एक अलग पहचान बनाई। इस सफलता का श्रेय उसके नाम दर्ज है। दरअसल इतने बड़े स्तर पर राष्ट्र मंडलों ने सांस्कृतिक और सामाजिक सुरक्षा व संरक्षण के लिए संयुक्त रजामंदी से प्रगतिशील पहल की रूपरेखा तैयार की गई। जिसके तहत मानवता के बेहतर भविष्य-निर्माण की दिशा में संयुक्त प्रयास करने पर जोर दिया गया। 'एक्सपो19' भविष्य में वैश्विक चुनौतियों से लड़ने में सामूहिक समाधान खोजने के संदर्भ में उम्मीदों से भरा रहा।

'एक्सपो सिटी दुबई... इस नव निर्मित शहर में एक्सपो 2020 की कुछ झलकियां भी देखने को मिलती है। दरअसल एक्सपो सिटी को 2040 तक भविष्य में प्रदूषण रहित शहर के रूप विकसित किया जाना है। जिसमें कई रिहायशी और बिजनेस कॉम्पलेक्स भी होगे। यह पूरी तरह व्यापार, शिक्षा और मनोरंजन से प्रेरित है। इसके चलते सब छोटे बड़ी कंपनियों को अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस एक्सपो शहर को इस तरह से पुनरावृत्ति किया गया है। जिसमें एक्सपो2019 की कुछ बेहतरीन संरचनाओं बने रहने का भी निर्णय लिया गया है।

प्रवासी भारतीयों के लिए बेहद गर्व की बात है कि एक्सपो19 का हिस्सा रहा **इंडिया पवेलियन** इस शहर की रौनक में शामिल किया गया है। एक्सपो के खत्म

होने के बावजूद भी पेवलियम में स्थापित राममंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों के अलावा आबूधाबी में बन रहा मंदिर के ढांचे उसी आन-बान-शान से इस शहर 'दुबई सिटी' की शोभा में चार चांद लगा रहा है। यहां देशों की संस्कृति और कला के अद्भुत दृश्य का दीदार पुनः किया जा सकेगा। भारत के अलावा अन्य कई देशों में सऊदी-अरब, मोरक्को, पाकिस्तान,व यूएई के मंडपों को **एक्सपो सिटी** में शामिल किया जाने का भी निर्णय लिया गया है। आइए जानते है कुछ अन्य आकर्षक के केन्द्र जो **एक्सपो सिटी** का हिस्सा है। **अल-वसल प्लाजा** का अर्थ है कनेक्शन सा जुड़ना। यह एक्सपो 2020 का प्रदर्शन क्षेत्र था जहां पर विश्व से आये प्रतिभागियों की मेजबानी की गई थी।

ग्रैविटी डिफाइंग वाटर फीचर- एक कृत्रिम झरना है। एक्सपो में पर्यटकों के लिए यह नाटकीय अंदाज में नाचता झरना सबसे ज्यादा रोमांचक से भरा स्थान रहा। जो 13 मीटर की ऊंचाई से पानी खड़ी दीवारों से लाइट व संगीत की लय के साथ नीचे गिरता है। मानो अग्नि, जल, और पृथ्वी के तीनों तत्वों का मिलन हो रहा हो।

दुबई प्रदर्शनी केन्द्र- व्यवसाय और नेटवर्किंग केन्द्र 45,000 वर्ग मीटर में फैला प्रदर्शनी स्थल है। विश्व स्तर की सुविधाओं से लैस है। यहां पर अब सम्मेलन, संगीत के कार्यक्रम और प्रदर्शनियों की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

ऑब्जर्वेशन टॉवर जिसकी ऊंचाई 55 मीटर है। वहाँ से पूरे एक्सपो को चिड़ियां की सी नज़र से देखा जा सकता है। यह भी एक्सपो सिटी का हिस्सा बना रहेगा।

दुनिया के सबसे बड़े एक्सपो19 को एक नए मुकाम पर पहुँचा कर आयोजकों के हौसले बुलंद है। **दुबई सिटी** के प्रगाढ़ में कुछ देशों के अद्भुत व महत्वपूर्ण स्थान के मॉडलों को देखने का अवसर निःसंदेह स्मरणीय रहेगा।

गीतांजलि सक्सेना 2023